

LOK SABHA

Tuesday, August 28, 1973/Bhadra 6,
1895 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the
Clock

[MR. SPEAKER in the Chair]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

राजस्थान नहर की प्रगति की गति
तेज करने की योजना बनाना

*461 श्री मूल चंद्र डागा : क्या सिंचाई
बोर्ड निम्नलिखित मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे
कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार ने राजस्थान
सरकार से राजस्थान नहर के निर्माण की
गति तेज करने को कहा है;

(ख) क्या इस संबंध में केन्द्रीय सरकार
तथा राजस्थान सरकार ने एक संयुक्त योजना
बनाई है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी मुख्य बातें
क्या हैं ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE
MINISTRY OF IRRIGATION AND
POWER (SHRI BALGOVIND VER-
MA): (a) Rajasthan Canal Project
is a State Project. In addition to the
State Plan provision, the Central Go-
vernment has been providing from
time to time, non-plan assistance to
the extent possible for its speedy com-
pletion.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

श्री मूल चंद्र डागा : अध्यक्ष महोदय,
16 साल तो हो गये, पूरे 16 साल राजस्थान

कैनल को शुरू हुए हो गए और आज आप
उत्तर क्या दे रहे हैं ? आपके योजना मंत्री ने
यह कहा है अपने उत्तर में कि हम लोग स्टेट
बवर्नमेन्ट के साथ मिल कर बोर्ड बनाने जा
रहे हैं। तो यह दो उत्तर किस प्रकार से है ?
यानी योजना मंत्री तो एक तरफ तसल्ली देने
वाले है और आप काम करने वाले हैं, तो वह
जसलूजी देने वाली बात मत है ? उन्होंने
कहा है:

"I think, the Planning Commis-
sion will do its utmost to see that
this Canal is not installed for want
of finance and we will do our ut-
most to ensure its completion by
the Fifth Plan period...."

For this, we are in correspon-
dence with the States and I have
been assured by all the three Sta-
tes concerned, By Uttar Pradesh,
Bihar and Rajasthan, that Boards
of this character will be set up."

अब आप कह रहे हैं कि कोई योजना
वहीं बना रहे है।...

अध्यक्ष महोदय : आप भाषण मत करिए,
प्रश्न करिए।

श्री मूल चंद्र डागा : योजना मंत्री ने जबाब
में कहा है कि राजस्थान बवर्नमेन्ट के साथ
मिल कर हम एक ऐसा बोर्ड बना रहे हैं
और इस को अगली पंच-वर्षीय योजना में हम
पूरा करेंगे...

अध्यक्ष महोदय : तो वह भी जो
कह रहे है उस में कोई कांटेडिक्शन
वहीं है। वह भी ऐसा ही कह रहे हैं।

श्री मूल चंद्र डागा : मैं इन्फार्मेशन
दे रहा हूं। 7 मई, 1973 को हाफ-एन-

आवर डिस्कशन में मिस्टर डी० पी० घर योजना मंत्री ने यह जवाब दिया था . . .

अध्यक्ष महोदय: देखिए दोनों में कोई बास फर्क नहीं है। आप अपना प्रश्न किजिए।

श्री मूल चन्व डागा: मैं जानना चाहता हूँ कि क्या 7 मई, 1973 को योजना मंत्री ने यह आश्वासन दिया था कि राजस्थान सरकार के साथ मिलकर एक बोर्ड की स्थापना की जायगी और इस काम को अगली पंच-वर्षीय योजना में पूरा कर लिया जायगा ?

THE MINISTER OF IRRIGATION AND POWER (DR. K. L. RAO): The question of setting up the Board does not help the Project. What is wanted is finance.

There are two stages in the canal project—Stage I and Stage II. The spill-over into the Fifth Plan of Stage I is about Rs. 29 crores. The estimates have gone up and it will be completed in the Fifth Plan and full provision is being made for it.

About the provision for the second stage which is going to cost Rs. 103 crores, I cannot say at the moment, but the thinking in the Planning Commission is to provide another Rs. 50 crores for it. So, it comes to this, that in the next Plan, i.e. in the Fifth Plan the First Stage will be completed and the second stage will be half-completed.

SHRI PILOO MODY: Advance action.

श्री मूल चन्व डागा: एक दो महीने के बाद यह 15 करोड़ बढ़ गए? आप का यह उत्तर है इस के पहले का और आप ने उस में यह कहा है कि 1973-74 में 13 करोड़ रुपया दिया जायगा। पहले यह कहा कि सेकन्ड स्टेज के अंदर 94 करोड़ रुपये लगेंगे और आज आप 103 करोड़ रुपये बता रहे हैं मैं यह पूछना चाहता हूँ कि अभी तीन महीने पहले यह उत्तर आया है . . . (अव्यवधान)

मैं पूछना चाहता हूँ कि क्या राजस्थान को 1973-74 में 13 करोड़ रुपये दे दिये गये हैं या नहीं इस योजना के लिये?

अध्यक्ष महोदय: देखिये कम से ज्यादा हो जाये तो खुशी है, ज्यादा से कम नहीं होना चाहिये।

श्री हुकम चन्व कछवाय: मंत्री महोदय ने बताया कि दो चरणों में इसमें पैसा खर्च होगा। 103 करोड़ और 50 करोड़। क्या यह बात सही है कि इस कैनल के लिये विदेशों से सहायता मिलने वाली थी, वह अब नहीं मिलने वाली है, इसीलिये इस में इतना विलम्ब किया जा रहा है।

DR. K. L. RAO: It is not a question of foreign aid. The question is one of internal finance and what money can be given. It is a State Project. The Rajasthan Government is not able to allot more than Rs. 80 crores in V Plan State Sector. As it is, it comes to Rs. 80 crores for the Fifth Plan for this project. While the project can be expedited by providing more money, but the resources at the moment are limited. At the moment, the present thinking is that the project financing will be about Rs. 80 crores.

श्री हुकम चन्व कछवाय: माननीय मंत्री जी ने मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। मैं ने यह कहा कि इस कैनल के लिए विदेशों से सहायता मिलने वाली थी, वह मना हो गई, अब नहीं मिलने वाली है, क्या इसी कारण से इस में इतना विलम्ब हो रहा है मंत्री महोदय इस बात को स्वीकार करते हैं या नहीं ?

DR. K. L. RAO: May I add, Sir, that there is no question of any foreign assistance asked for or allotted for this project. Therefore,

there is no question of finances forthcoming or not.

SHRI D. P. JADEJA: May I know from the hon. Minister whether a technical survey has been made to extend the Rajasthan Canal project to the northern districts of Gujarat, and if so....

प्रध्यक्ष महोदय : यह आप छोड़िये कहां ले जा रहे है इस को ?

SHRI D. P. JADEJA: Adjacent Districts.

MR. SPEAKER: There is no question of Gujarat in it.

बरेली और पीलीभीत के बीच स्थित बिजौरिया रेलवे स्टेशन का लूटा जाना

*464. श्री हुकूम चन्द कछवाय : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 22-23 जून, 1973 को बरेली और पीलीभीत के बीच स्थित बिजौरिया रेलवे स्टेशन को सशस्त्र डाकूओं ने लूट लिया था; और

(ख) यदि हाँ तो भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिये सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) and (b). A statement is laid on the Table of the Sabha.

Statement

(a) Yes, a dacoity occurred at Bijauria Railway Station of North-Eastern Railway on 22-6-1973.

(b) The following preventive measures are being taken to check such incidents in future:—

1. Apart from tightening up normal security arrangements by the Government Railway Police, such as keeping

watch at important stations and periodical raids to round up criminals and anti-social elements, Government Railway Police escorts are provided on important night passenger trains. The strength of the escorts is revised from time to time depending on the local situation.

2. Close liaison is maintained by the RPF with the GRP so that crime is effectively checked and surveillance is kept over bad characters.

3. Co-ordination meetings at all levels are also held by the R.P.F. officials with the Government Railway Police and State Police officials with a view to improving prevention and detection of crime on Railways.

4. Strict instructions have been issued to the Railway Protection Force Staff, on duty in yards or station platforms for guarding railway property, to rush to the scene of crime and render all possible help to the victims.

श्री हुकूम चन्द कछवाय : प्रध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने एक वक्तव्य सदन की मेज पर रखा है। इसमें इस बात का उल्लेख नहीं है कि बिजौरिया रेलवे स्टेशन पर 26-6-73 को डाका पड़ा उसमें कितना सामान लूटा गया, जो व्यक्ति लूटने के लिये आए थे वह कितने व्यक्ति थे, उनके पास किस प्रकार के शस्त्र थे और वक्तव्य में जो बताया है कि यह इन्तजाम किया है तो उस समय यह पुलिस वर्ग कहां थी, वहां पर पुलिस थी या नहीं थी ? मेरा निवेदन है कि आपने अपने वक्तव्य में कहा है कि आने वाले भविष्य में इस प्रकार की घटनाएँ कहीं नहीं होंगी तो मैं जानना चाहता हूँ क्या आपने पुलिस के जवानों को इस प्रकार के आदेश दिये हैं कि ऐसी